

1800/1913 -
1913/1918

1. नई पीढ़ी की आधुनिक और नैतिक शिक्षा एवं विकास की व्यवस्था करना ।
2. केजी. और प्राथमरी से लेकर हायर सेण्डरी स्कूलों और कॉलेजों तक शिक्षण संस्थान की स्थापना एवं व्यवस्था करना ।
3. छात्रों एवं छात्राओं के लिये तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण के अलग अलग व्यवस्था करना जिससे वे आरम्भ निर्भर हो सकें ।
4. प्रौढ़ शिक्षा के संस्थानों की स्थापना एवं व्यवस्था करना ।
5. निम्न आय वर्गों के लोगों के लिये सुविधाजनक अल्पशिक्षित अथवा अनुसूचित जनजातों के लिये शिक्षण संस्थान हेतु कार्य करना ।
6. समाज के सामान्य सुधार हेतु कार्य करना ।
7. सामान्य उद्देश्य वाली अन्य शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना ।
8. उच्च उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्य करना ।

ਜੀ ਰਾਸ਼ੀ ਦੇਣੇ ਵਰ ਧੂਮ: ੧੫.੦੦ ਲਾਗੀ। ਜੀ ਰਾਸ਼ੀ ਦੇਣੇ

६- सम्माननीय सदस्य :- संस्था की प्रबंधकारिणी किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को उस समय के लिये जो भी वह उचित समझे सम्माननीय सदस्य बना सकती है। ऐसे सदस्य साधारण सभा की बैठक में भाग ले सकते हैं परन्तु उनको मत देने का अधिकार न होगा।

७- सदस्यता की प्राप्ति :- प्रत्येक व्यक्ति जो कि समिति का सदस्य बनने का इच्छुक हो लिखित रूप में आवेदन करना होगा। ऐसे आवेदन पत्र प्रबंधकारिणी समिति को प्रस्तुत होगा जिसके आवेदन पत्र को स्वीकार करने या अमान्य करने का अधिकार होगा।

८- सदस्यों की योग्यता :- संस्था का सदस्य बनने के लिये किसी व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यता होना आवश्यक है:-

- १- आयु १८ वर्ष से कम न हो।
- २- भारतीय नगरिणी होना चाहिये।
- ३- संस्था के नियमों के प्रावधानों से होने की प्रतीक्षा न हो।
- ४- सचिवरिणी की।
- ५- पागल, दिवांगल या शिक्षित न हो।

९- सदस्यता की समाप्ति :- संस्था की सदस्यता निम्नलिखित स्थानों में समाप्त हो जावेगी :-

- १- मृत्यु हो जाने पर।
- २- पागल, दिवांगल या शिक्षित हो जाने पर।
- ३- नियमानुसार सदस्यता शुल्क का भुक्तान न करने पर।
- ४- त्याग पत्र देने एवं स्वीकृत हो जाने पर।
- ५- संस्था विरोधी गीतावधियों एवं वारिंटों के दोष होने पर कार्य-कारिणी के निर्णयानुसार निष्काशित किये जाने पर जिसके निर्णय पारित हो जाने की सूचना सदस्य को लिखित रूप में देना होगा।

१०- सदस्य सूची :- संस्था के कार्यालय में सदस्य पंजी रखी जावेगी जिसमें निम्नलिखित ब्योरे दर्ज होंगे :-

- १- प्रत्येक सदस्य का नाम सभापता एवं व्यक्तताय।
- २- सदस्य का प्रवेश दिनांक एवं सदस्यता शुल्क की रसीद का क्र. मांक।
- ३- सदस्यता समाप्त होने की तारीख।

प्राप्त, १०

आकांक्षा हायर से. स्कूल
कम्प्लेक्स जबलपुर

का. १०/१०/१०

Shrubay
मानक

१०/१०/१०

10- साधारण सभा :- साधारण सभा में नियम 5 में दियी गयी
में हुआ करेगी। साधारण सभा की बैठक आवश्यकता अनुसार हुआ
करेगी किन्तु वर्ष में एक बैठक होना अनिवार्य होगा। बैठक की
तिथि, माह व स्थान सभा सम्य आदि का निर्धारण कार्य-कारणी
समिति द्वारा किया जायेगा जिसकी सूचना समस्त सदस्यों को
15 दिन पूर्व दी जायेगी। बैठक का कोरम 2/5 सदस्यों का होगा।
प्रथम आम सभा संस्था के गठन की तिथि से तीन माह के भीतर
बुलाई जायेगी जिसमें संस्था के पदाधिकारियों का प्रत्यक्ष
निर्वाचन किया जायेगा। यदि आम सभा का आयोजन किसी समय
नहीं किया गया है तो प्रजीयक को अधिकार होगा कि वह आम
सभा का आयोजन किसी जिम्मेदार कार्यकारी के मार्गदर्शन में करे तथा
प्रत्यक्ष पदाधिकारियों का चुनाव करावे।

11- प्रबंधकारणी सभा :- प्रबंधकारणी सभा की बैठक प्रत्येक तीन माह
में होगी तथा बैठक का अनिवार्य सूचना बैठक की तिथि से सात
दिन पूर्व कार्यकारणी सभा के सदस्यों को भेजी जाना आवश्यक
होगी। बैठक का कोरम 1/2 सदस्यों का होगा। यदि बैठक का
कोरम पूर्ण नहीं होता है तो बैठक एक घंटे के भीतर स्थगित की जा
कर उही स्थान पर तय की गयी तिथि पुनः की जा सकेगी जिसके दो घंटे
कोरम की आवश्यकता न होगी।

12- विशेष बैठक :- यदि कोई सदस्य संस्था के 2/3 सदस्यों द्वारा
लिखित रूप से बैठक बुलाने हेतु आवेदन दिया जाता है तो उनके
द्वारा दिये गये विन्दु पर विचार करने के लिये साधारण सभा की विशेष
बैठक बुलाई जायेगी। विशेष संकल्प पारित हो जाने पर संस्था की
प्रति प्रजीयक को संकल्प पारित होने के दिनांक से बीस दिन के
भीतर देखा जायेगी। प्रजीयक को इस संबंध में आवश्यक निर्देश या
परामर्श देने का पूर्ण अधिकार होगा।

13- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल विभाग अधीनस्थ
61(m) के तहत गठित संस्थान हेतु एक शाखा प्रबंध समिति का गठन
किया जायेगा जिसमें संस्था के समस्त पदाधिकारियों के साथ-साथ
प्रबंध समिति के तीन सदस्य एवं गठित शाखा प्रबंध समिति के सदस्यों
को शिक्षण का एक प्रोग्राम दिया जायेगा।

प्राचार्य,

आकांक्षा हायर से. स्कूल
कनकपुर, जबलपुर

(Signature)
मानक

कोषाध्यक्ष

11. साधारण सभा के अधिकार एवं कार्य :-

क- संस्था का गत वर्ष का वार्षिक विवरण तथा वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन स्वीकार करना ।

ख- संस्था की स्थायी निधी एवं सम्पत्ति की उचित व्यवस्था करना ।

ग- आगामी वर्ष के लिये लेखा परिकल्पों की नियुक्ति करना ।

घ- ऐसे अन्य विषयों पर विचार करना जो कि प्रबंधकारिणी द्वारा प्रस्तुत किये जायें ।

प- संस्था द्वारा संचालित अन्य संस्थाओं का आय- व्यय पत्रों को स्वीकार करना ।

उ- खजाने का अनुमोदन करना ।

12. प्रबंधकारिणी का गठन :- इस्तीफा यदि कोई हो तो समिति के पदेन तदस्थ रहेंगे । नियम ४ की धारा १, २ एवं ३ में दिये गये तदस्थ जिनके नाम पंजीकृत हैं, वे ही संस्था की बैठक में बहुमत के आधार पर नियुक्ति प्राप्त करेंगे । प्रबंधकारिणी समिति के सदस्यों का निर्वाचन संस्था के निम्नानुसार होगा :-

१- अध्यक्ष	१५००
२- उपाध्यक्ष	१५००
३- सचिव	१५००
४- कोषाध्यक्ष	१५००
५- सहायक सचिव	१५००
६- सदस्य	६००

13. प्रबंध समिति का कार्यकाल तीन वर्ष होगा । यदि कारण होने पर समिति उस समय तक जब तक कि नयी कार्यकारिणी का निर्माण नियमानुसार नहीं हो जाता है कार्य करती रहेगी । निम्न अवधि का माह से अधिक नहीं होगी जिसका अनुमोदन साधारण सभा से करना अनिवार्य होगा ।

14. प्रबंध कारिणी के अधिकार एवं कार्य :-

अ- जिन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु समिति का गठन है उसी की पूर्ति करना और उस आय का पूर्ण हेतु व्यवस्था करना ।

प्राचार्य

आकांक्षा हायर से. स्कूल
कल्याण जवहलपुर

कोषाध्यक्ष

Shubay
सा-ना-व

५

५

द- पिछले वर्ष का आय-व्यय का लेखा पूर्णतः परीक्षा किया गया
प्रगति प्रतिवेदन के साथ प्रारम्भ साधारण तथा जी. पी. ए.
प्रस्तुत करना ।

त- सामिति एवं उसके अधीन संघानि संस्थाओं के कर्त्तव्य विषये के ज्ञान तथा भस्ते आदि का सुस्तान करना । संस्था के पक्ष - जयत सम्मिति पर हमने पाठे पर आदि का सुस्तान करना ।

८- ~~कर्मचारियों~~, शिक्षकों जादि की नियुक्ति करना ।

५- अन्य आवश्यक कार्य करना जो साधारण जना द्वारा किया जाये
साधे जाये ।

प-संलग्न श्री समस्त का-चका सम्पत्ति जर्द-गारिण। किन्तु मैं आप से रहेगी।

५- संख्या द्वारा कोई भी स्थावर सम्पत्ति राजस्वद्वारा ही विनिम्न अनुपात के रोजना विषय द्वारा या अन्यथा प्राप्त या प्राप्तारत नहीं हो जायेगी।

७- विशेष बैठक कर जिसमें विशेषज्ञों के साथ चर्चा करने के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा। विशेषज्ञ समिति के बैठक में इसकी स्वीकृति देना प्रस्तावित किया जायेगा। साधारण समिति के अध्यक्षों के 2/3 मत से निर्णयित होकर, जो प्रस्ताव भारत पर पंजीयन के अनुमोदन देना जायेगा।

15. अव्यय के अधिकार :- अव्यय प्रत्ययकारणों आभार से अव्यय सभी
 कथा की वस्तुओं की व्यवस्था करेगा। इन वस्तुओं का उपयोग वह राज्य
 के द्वारा करवायेगा। अधिकारों वस्तुओं पर होगा। वह जैसे जैसे
 अव्यय का मत विवेचन करेगा होगा।

1. उपाध्यक्ष के अधिकार :- अध्यक्ष की अनुमति पर वे सभा में सभा के प्रत्येक सदस्य की ओर से अध्यक्षता उपाध्यक्ष करेगा एवं अध्यक्ष के सभी अधिकारों का उपयोग करेगा ।

17. सिद्धि के अधिकार :-

अ- साधारण उमा एवं प्रत्यक्षारणी में निम्नलिखित प्रकार के गुणों
 वारं वारं जायेगा कि जो गुणों में प्रत्यक्षारणी में प्रत्यक्षारणी में

४- श्री-शिव देवाय- इत्येवमस्मिन्मन्त्रे श्री-शिव-देवाय-
 मन्त्रोक्तं वाक् प्रमाणेन सिद्धं च अस्माकं भा-
 वना ।

Eliminated

स- साक्षी के सारे जगजातों को तैयार करना तथा ब्रह्माना ।

उनका निरीक्षण करना व अन्यायिता पाये जाने पर उसकी सुपवा प्रत्यक्षारिणी को देना ।

द-राज को किसी कार्य के लिये एक समय में पाँच ता. लिये एक व्यय करने का अधिकार होगा। ऐसे व्यय को प्रबंधकारण जी जागामी बेलक में लीकुर करना होगा।

संयुक्त साधुओं के आधिकार :- साधुओं की अलग-अलग

13. लोकपाल के अधिकार :- सामोत की समस्त धराशायी को लिखित
रखना तथा प्रत्येक शरीरणी सामोत द्वारा स्वीकृत मन्त्रों पर या लीप
की लिखित सुचना होने पर निर्दिष्ट व्यय करना ।

12. बैंक खाता :- संस्था की समस्त निधि की जम्मावत बैंक या पोस्ट ऑफिस में रहेगी। धन का आहरण अथवा वा लायव तथा बीषाध्य के अनुसृत असाधारण के लोग। दोनो अथ हेतु बीषाध्य के पास अधिकतम तथा सौ छोटी।

28- पंजीयक को भर्ती जानेवाली जानकारी :- अधीनस्थ की धारा 27 के अन्तर्गत संस्था की कार्यवाही के आरम्भ होने के दिनांक के साथ दिन के भीतर नियमित रूप पर कार्यवाही की जा रही है। पूर्ण रूप से जायेगी तथा धारा 27 के अन्तर्गत संस्था की परामर्श देना होगा।

21. संशोधन :- संस्था के विधान में संशोधन साधारण सभी की बैठक में हुए सदस्यों के 2/3 मतों से पारित होगा। यदि आवश्यक हुआ तो संस्था के हित में उसके प्रजीवित विधान में संशोधन करने के अधिकार प्रजीवित सभी सदस्यों को देया जो प्रत्येक सदस्य को मान्य होगा।

२२. विघटन :- संस्था का विघटन आधारभूत तथ्या से हुआ तब तक के लिए प्रभावी है। विघटन के पश्चात् संस्था की मालिका तथा सम्पत्ति किसी सामान्य उद्देश्यों वाली संस्था को सौंप दी जायेगी। उक्त समस्त कार्यवाही अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही होगी।

23. संयोजित :- संस्था की समस्त या तथा जका सम्पादित संस्था के नाम से रहेगी। संस्था की जका सम्पादित हाथसूत्र, फर्म, एवं संस्था के विभिन्न अनुभाग के विभाजन प्रत्येक भाग, खान, भाग या जका प्रकार के

ਜਾਇਜ਼ ਯਾ ਅਨਾਜਿਤ ਨਹੀਂ ਹੀ ਜਾ ਸਕਿਆ ।

प्राचार्य,
श्री आचार्य आश्रम सं. स्कूल
कानपुर, कानपुर

5151E 484

Shirahane

२१५. १०३

24. बैंक खाता :- संस्था की समस्त निधी बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस में खोला जायेगा एवं समय समय पर धन जमा करने एवं निकालने की प्रक्रिया जारी रहेगी ।
25. प्रणीयक द्वारा बैठक बुलाना :- संस्था की प्रणीयक निष्ठावली के अनुसार पदाधिकारियों द्वारा मासिक बैठक न बुलाये जाने पर वा अन्य प्रकार से आवश्यक होने पर प्रणीयक फर्मिस एवं संस्थाये में बैठक बुलाने का अधिकार होगा साथ ही वह बैठक में विचारार्थ विषय निश्चित कर लेंगे।
26. विवाद :- संस्था या संस्था द्वारा संचालित अन्य सामाजिकों में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर उसे सुलझाने का अधिकार अध्यक्ष को होगा । यह साधारण स्तर में सुलझाये जायेगा पर ऐसे मामलों को सुलझायेगा । यदि ऐसे विवादों के पक्षों को संतोख न हो तो विवाद प्रणीयक महोदय के पास निर्णय हेतु भेजे जायेंगे । प्रणीयक का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा । संघर्षित समाजों अथवा प्रबंधकारणी के विवाद उत्पन्न होने पर अंतिम निर्णय देने का अधिकार प्रणीयक को होगा ।

कोषाध्यक्ष

Shrubay
सचिव

प्रमाणित जलोलो/५
28/10/92

प्राचार्य,
श्री आकांक्षा हायर से. स्कूल
करनपुर, पंचगढ़